दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 डेढ़ माह में निरस्त हो गए जाति, आय और निवास के 3252 आवेदन- अब करना पड़ रहा ये काम

5 फतेहपुर सीकरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे राज बब्बर !

8 गुजरात के खिलाफ जीत के साथ फाइनल में पहुंची दिल्ली, मूनी की सेना को सात विकेट से हराया

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 34 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 18 मार्च, 2024

19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में होंगे लोकसभा चुनाव

2024 लोकसभा चुनाव की तारीखों की आज घोषणा हो गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि इस बार के लोकसभा चुनाव 7 चरणों में कराए जाएंगे। उन्होंने ये भी बताया कि आम चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा पोललग बूथों पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 का बिगुल बज गया है। निर्वाचन आयोग ने आज दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव की तारीखों का एलान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि इस बार के लोकसभा चुनाव 7 चरणों में कराए जाएंगे।

उन्होंने ये भी बताया कि चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा पोलिंग बूथों पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं।

19 अप्रैल से शुरू होंगे चुनाव

इस बार लोकसभा चुनाव 7 चरणों में होंगे। चुनाव आयुक्त ने कहा कि इस बार 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव शुरू होंगे और 4 जून को नतीजे आएंगे। सातों चरण इस प्रकार होंगे...

चरण	तारीख
पहला	19 अप्रैल
दूसरा	26 अप्रैल
तीसरा	7 मई
चौथा	13 मई
पांचवां	20 मई
छठा	25 मई
सातवां	1 जून
नतीजे	4 जून

किस राज्य में कब होंगे लोकसभा चुनाव

दिल्ली में लोकसभा चुनाव की वोटिंग 25 मई को होगी। यूपी में सभी सातों चरणों में वोटिंग होगी।

किस चरण में कितने राज्यों में चुनाव

पहले चरण में 21 राज्यों के कुल 102 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, दूसरे फेज में 13 राज्यों की 89 सीटों, तीसरे में 12 राज्यों की 94 सीटों, 10 राज्यों की 96 सीटों, 8 राज्यों की 49 सीट, 7 राज्यों की 57 सीट, 8 राज्यों की 57 सीट पर वोटिंग होगी।

4 राज्यों में विधानसभा चुनाव

आम चुनाव के साथ 4 राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होंगे। आंध्र प्रदेश में 13 मई को चुनाव होंगे। सिक्किम और अरुणाचल में 19 अप्रैल को वोटिंग।

ओडिशा में मतदान 13 मई से 4 चरणों में होंगे।

26 विधानसभाओं में होंगे उपचुनाव

हरियाणा, हिमाचल, झारखंड और यूपी समेत 26 विधानसभाओं में उपचुनाव होंगे।

इस बार 97 करोड़ वोटर्स

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि देश में 96.8 करोड़ वोटर्स हैं और 10 लाख से ज्यादा बूथ वोटिंग के लिए होंगे। राजीव कुमार ने कहा कि हमारे देश के चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर होगी।

उन्होंने कहा कि इस बार 1.8 करोड़ मतदाता पहली बार वोट करेंगे और कुल 21.5 करोड़ युवा वोटर्स होंगे। पुरुष मतदाताओं की संख्या 49.7 करोड़ है।

चुनाव आयुक्त की बड़ी बातें...

लोकसभा का कार्यकाल 16 जून तक है।

अब पार्टियों को अपने उम्मीदवार का क्रिमिनल रिकॉर्ड बताना होगा। इसी के साथ यह भी बताना होगा कि उस उम्मीदवार को क्यों टिकट दिया गया और क्षेत्र से किसी और व्यक्ति को टिकट क्यों नहीं दिया गया।

इस बार 85 साल से ऊपर के वोटर घर से वोट दे सकते हैं।

चुनाव आयुक्त ने बताया कि महिला वोटर्स की संख्या में इजाफा हुआ है।

कई क्षेत्रों में तो महिला वोटर्स की संख्या पुरुषों से ज्यादा है। वहीं, इस बार 85 लाख 85 लाख फर्स्ट टाइम महिला वोटर्स होंगे।

हर जिले में एक कंट्रोल रूम होगा।

चुनाव एक पर्व और देश का गर्व

चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत में चुनाव एक पर्व और देश का गर्व है।

उन्होंने कहा कि हमारी टीम चुनावों के लिए तैयारी है। हम दो साल से चुनाव की तैयारियां कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश में सात चरणों में होगा चुनावी कार्यक्रम

लोकसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को आम चुनावों की तारीखों का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि हम चुनाव के लिए तैयार हैं पूरे देश में चुनाव कराना हमारे लिए गर्व का विषय है। यहां आप उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटों की पूरी डिटेल पढ़ेंगे कि कितने चरणों में चुनाव होगा।

लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान हो गया है। इस बार लोकसभा चुनाव सात चरणों में संपन्न होंगे। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस के जरिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की है। तारीखों के एलान होने के साथ ही देश में आचार संहिता लागू हो गई है। चार अप्रैल को पहले चरण के लिए मतदान होगा, दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल, तीसरा चरण 07 मई, चौथा चरण 13 मई, पांचवां चरण 20 मई, छठां चरण 25 मई और सातवें चरण के लिए 01 जून को वोटिंग होगी। वोटों की गिनती 04 जून 2024 को होगी।

आपके शहर में कब होगी वोटिंग

यदि सिर्फ उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां सात चरणों में पूरी प्रक्रिया संपन्न होगी। जनसंख्या के आधार पर सबसे बड़े राज्य में 80 लोकसभा सीटें हैं, जोकि देश में किसी भी राज्य में सबसे ज्यादा हैं। इसीलिए ऐसा कहा जाता है कि केंद्र की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है।

कब कहां वोटिंग

पहला चरण

19 अप्रैल 2024 सहारनपुर, कैराना, मुज्जफनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, पीलीभीत, रामपुर

दूसरा चरण

26 अप्रैल 2024 अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा

तीसरा चरण

07 मई 2024 संभल, हाथरस, आगरा, फतेहपुर सिकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, ओनला, बरेली

चौथा चरण

13 मई 2024 शाहजहांपुर, फेरी, दौरा, सीतापुर, हरदोई, मिसरिख, उन्नाव, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, बहराइच

पांचवां चरण

20 मई 2024 मोहनलाल गंज, लखनऊ, राय बरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज, गोंडा

छठां चरण

25 मई 2024 सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, प्रयागराज, अंबेडकरनगर, श्रवस्ती, डुमरियांगंज, बस्ती, संत कबीरनगर, लालगंज, आजमगढ़, जौनपुर, मछली शहर, भदोही

सातवां चरण

01 जून 2024 महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, वंशगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मीरजापुर, रॉबर्ट्सगंज।

सम्पादकीय

आंदोलनों और यात्रा के बीच चुनाव का इंतज़ार

देश इस समय अनेक तरह के आंदोलन सड़कों पर देख रहा है

देश इस समय अनेक तरह के आंदोलन सड़कों पर देख रहा है। इनमें प्रमुख हैं किसानों का आंदोलन और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की बजाय बैलेट पेपर पद्धति से चुनाव कराने की मांग को लेकर होने वाला आंदोलन, जिनमें ज्यादातर वरिष्ठ वकील एवं सिविल सोसायटियां शामिल हैं। दूसरी तरफ राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' अपने समापन की ओर है। वहीं इस समय बड़ी गहमागहमी सुप्रीम कोर्ट के परिसर में भी है जहां इलेक्टोरल बॉन्ड्स को लेकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को न्यायपालिका के सामने झुकना पड़ा। चुनावी चंदे के रूप में करोड़ों रुपये एकत्र करने वाली नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी को बचाने की कोशिशों में नाकाम एसबीआई ने आखिरकार केन्द्रीय निर्वाचन आयोग को वह सूची सौंप दी जिसमें बतलाया गया है कि किन 22 हजार से ज्यादा लोगों ने किन दलों को चंदा दिया है। यह सूची आयोग को शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर डालनी है। इसी दिन निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति समेत सम्बन्धित अधिनियम को चुनौती देने वाली एक याचिका पर भी सुप्रीम कोर्ट को उसी दिन सुनवाई करनी है। हालांकि आनन–फानन में केन्द्र सरकार ने दो नये आयुक्तों की नियुक्तियां कर दी हैं।

जो भी हो, साफ है कि अब जब कभी भी आम चुनावों की घोषणा हो सकती है, भाजपा कई–कई मुसीबतों के साथ उसका सामना करेगी। आंदोलनों की बात करें तो जो दो प्रमुख आंदोलन सामने हैं, उनमें पहला तो है किसानों का आंदोलन जो अब शम्भू बॉर्डर पार करता हुआ देश की राजधानी दिल्ली तक आ पहुंचा है। कृषि उत्पादों पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप न्यूनतम समर्थन मूल्य (सी2 प्लस 50 प्रतिशत का फार्मूला) की मांग को लेकर बुधवार को देश भर के किसान संगठनों ने दिल्ली के जवाहर भवन में बैठक की। इन किसानों की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं– किसानों की कर्ज माफी, मनरेगा के अंतर्गत मजदूरों को 700 रुपये प्रति दिन के हिसाब से 200 दिनों का काम, जमीन अधिकरण कानून, 2013 के तहत भू अधिग्रहण का फार्मूला तय करना, वन संरक्षण अधिनियम, 2023 को रद्द करना आदि। तय किया गया कि 23 मार्च को देश भर में इन मांगों को लेकर किसान देशव्यापी आंदोलन करेंगे। इसके साथ ही किसान ईवीएम हटाने की भी मांग कर रहे हैं। यही मांग लेकर वकीलों एवं स्वयंसेवी संगठन पहले से ही आंदोलनरत हैं। साफ है कि ऐन चुनाव के पहले इन मांगों को लेकर होने वाले आंदोलनों से भाजपा का परेशान होना लाजिमी है क्योंकि इससे उसके खिलाफ व्यापक जनमत बन रहा है।

किसानों ने 2020–21 में इसे लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ा गया था जिसके कारण सरकार को वे तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे जिनके जरिये मंडी व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त कर देश का कृषि व्यवसाय निजी हाथों में सौंपने की तैयारी मोदी सरकार ने कर रखी थी। आंदोलन वापसी के समय सरकार ने जो आश्वासन किसानों को दिये थे, उन पर अब तक अमल न होने पर किसानों ने 12 फरवरी से यह आंदोलन पुनः शुरू किया है। इस आंदोलन को दबाने के लिये सरकार ने वे सारे उपाय किये, जो उसने पहले वाले आंदोलन के दौरान किये थे। किसान व ईवीएम विरोधी आंदोलन जिस प्रकार से बड़ा रूप ले रहे हैं, उससे भाजपा विरोधी वातावरण बन रहा है। उधर राहुल गांधी की जो यात्रा 20 मार्च को खत्म हो रही थी, उसे चुनावों के सम्भावित ऐलान के मद्देनज़र 16 मार्च को खत्म किया जा रहा है। यात्रा अंतिम राज्य यानी महाराष्ट्र में है। इस पूरी यात्रा के दौरान गुजरात समेत सारे राज्यों की तरह महाराष्ट्र में भी उसे शानदार प्रतिसाद मिला है। नन्दुरबार, धुले, नासिक, मालेगांव आदि स्थानों में हुई राहुल की यात्रा व सभाओं में लोगों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। यात्रा की खासियत यह रही कि राहुल ने खुद की व कांग्रेस की प्रतिबद्धता किसानों के हित के प्रति जतलाई। साथ ही, महिलाओं के लिये 5 सूत्रीय विशेष वादे लोगों को अपील कर सकते हैं। इनमें प्रमुख है हर गरीब महिला को प्रति वर्ष एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करना। यह कांग्रेस के काडर पर निर्भर होगा कि वह इन गारंटियों को लोगों तक पहुंचाये। यह घोषणा प्रकारान्तर से पूरे इंडिया गठबन्धन को भी फायदा पहुंचा सकती है। सुप्रीम कोर्ट में जहां एक तरफ चुनावी बॉन्ड्स को लेकर लोगों में यह संदेश गया है कि भ्रष्टाचार हटाने के बड़े वादे कर सत्ता में आने वाली मोदी सरकार खुद ही आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। जिस प्रकार से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के वकील हरीश साल्वे के माध्यम से पहले सरकार ने दानदाताओं की सूची तैयार करने के लिये चार माह का समय मांगा और कई तरह के बहाने बनाये उससे जनता को यह बात समझ में आ गई है इस मामले में भाजपा व सरकार के हाथ साफ नहीं है क्योंकि यह जानकारी पहले से ही सबके सामने आ चुकी थी कि चंदे का बड़ा हिस्सा भाजपा को ही मिला है। यह राशि इकठ्ठी करने में सरकारी जांच एजेंसियों (ईडी, सीबीआई व आयकर) का भरपूर दुरुपयोग किया गया है। ऐसे ही, निर्वाचन आयोग अधिनियम, 2023 में जो प्रावधान किये गये हैं उनके उद्देश्य इस संवैधानिक संस्था को पूरी तरह से सरकार के हाथ की कठपुतली बनाने के हैं। देखना यह होगा कि चुनावी बॉन्ड्स की तरह क्या शीर्ष न्यायालय इन नियमों के अंतर्गत चुनाव कराने के लिये सरकार को रोकेगा, जैसी कि इनके खिलाफ दायर याचिकाओं में मांग की गई है। उम्मीद है कि शुक्रवार निरंकुश बनने की कोशिशों को बेअसर करने वाला दिन बनेगा।

महाराष्ट्र में राजनीतिक परिदृश्य उम्मीद से अधिक जटिल

जमीनी स्तर की राजनीतिक स्थिति एनडीए गठबंधन से दूर होती दिख रही है, जिसे इंडिया टीवी–सीएनएक्स के ताजा सर्वे के नतीजों में भी देखा जा सकता है। हालांकि सर्वेक्षण में 35 सीटों के साथ एनडीए को बढ़त दर्शाया गया है, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह 41 से नीचे होगा जो उसने 2019 में जीता था। इंडिया टुडे–सी वोटर के एक अन्य सर्वेक्षण में एनडीए को फरवरी में केवल 22 सीटों के अनुमान के साथ पीछे रखा गया था। लोकसभा सीटों के मामले में उत्तर प्रदेश के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य महाराष्ट्र, एनडीए गठबंधन (महायुति) और इंडिया ब्लॉक (महा विकास अघाड़ी या एमवीए) के बीच एक जटिल चुनावी लड़ाई की ओर बढ़ रहा है, और इसलिए परिणाम आश्चर्यजनक होने की संभावना है। एनडीए और इंडिया दोनों गुटों को कई बाधाओं के कारण सीट–बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप देने में देर हो रही है। राज्य 48 लोकसभा सदस्य भेजता है और दोनों पक्षों के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं।

वर्तमान में, भाजपा के पास खोने के लिए बहुत कुछ है क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद वह 23 सीटें जीतकर महाराष्ट्र में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी थी। पार्टी को 27.59 प्रतिशत वोटों का सबसे बड़ा हिस्सा भी मिला। भाजपा ने 2019 में अविभाजित शिवसेना के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसने बाद में कांग्रेस और एनसीपी के साथ गठबंधन में सरकार बनाने के लिए एनडीए को छोड़ दिया था।

जाहिर है, भाजपा की सीटों की संख्या और वोटों की हिस्सेदारी में गिरावट तय थी, जिसने पार्टी को शिवसेना में दलबदल कराने के लिए प्रेरित किया, जो दो भागों में विभाजित हो गई और एक गुट, शिव सेना (शिंदे) को भाजपा ने एनडीए में शामिल कर लिया ताकि महायुति की राज्य सरकार बन जाये। लेकिन यह भी अधिक लोकसभा सीटें जीतने के साथ–साथ अधिक वोट शेयर जीतने के लिए पर्याप्त नहीं होने के कारण, भाजपा ने एनसीपी से दलबदल कराया और एनसीपी (अजित पवार) का एक गुट एनडीए में शामिल हो गया, और अब वह भी राज्य सरकार का हिस्सा है।

भाजपा को उम्मीद थी कि इससे उसे अधिक संख्या में सीटें और वोट शेयर जीतने में मदद मिलेगी। हालांकि, भाजपा को अब शिवसेना शिंदे गुट और एनसीपी अजीत पवार गुट के साथ सीट साझा करना मुश्किल लग रहा है। वास्तव में, भाजपा 2019 की तुलना में 2024 में अधिक कठिन चुनावी लड़ाई की ओर बढ़ रही है।

यह तब हो रहा है जब भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरा कार्यकाल चाह रहे हैं। पीएम मोदी ने दावा किया है कि भाजपा 370 सीटें जीतेगी और एनडीए 405। इस प्रक्रिया में, भाजपा देश भर में अपने सहयोगियों पर दबाव डाल रही है, यहां तक कि एनडीए सहयोगियों के पर कतरने की भी कोशिश कर रही है ताकि वह अधिक संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ सके और इसकी राष्ट्रीय संख्या 2019 में जीती 303 से अधिक हो। भाजपा के इस सत्तावादी रवैये ने उसके सभी सहयोगियों को नाराज कर दिया है, जिससे हर प्रमुख राज्य में सीट–बंटवारे के समझौते में देरी हो रही है, और महाराष्ट्र उनमें से एक है।

इलेक्टारल बान्ड में बुरी तरह फंसती केंद्र सरकार

भारतीय चुनाव प्रक्रिया में धन बल का प्रयोग अत्यधिक होता है। ऐसे में अगर चुनावी चंदे की व्यवस्था को अत्यंत पारदर्शी न बनाया गया, तो राजनीति के काले धन से संचालित होने के संभावनाओं को खारिज नहीं किया जा सकता। आशा है कि जल्द ही देश में राजनीतिक दलों के चंदे से संबंधित एक ऐसा पारदर्शी ढांचा बन सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इलेक्टॉरल बॉन्ड से जुड़ी जानकारी देने के लिए एसबीआई को और समय देने से इंकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से 12 मार्च तक इलेक्टॉरल बॉन्ड की सभी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा। अदालत ने चुनाव आयोग को इस जानकारी को 15 मार्च शाम 5 बजे तक अपने वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का निर्देश भी दिया है। एसबीआई इलेक्टॉरल बॉन्ड के खुलासे के लिए 30 जून तक का समय मांग रहा था। तब तक लोकसभा चुनाव संपन्न होकर नई सरकार का गठन हो चुका होता। ऐसे में मतदाताओं को इलेक्टॉरल बॉन्ड की सूचनाओं के बिना ही लोकसभा चुनाव में मतदान के अधिकार का प्रयोग करना पड़ता। 13 मार्च को एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर स्पष्टीकरण दिया कि उसने इलेक्टॉरल बॉन्ड.से संबंधित सूचनाएं चुनाव आयोग को दे दी है। जब एसबीआई 30 जून का समय मांग रहा था, तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि– 'हमने 15 फरवरी को फैसला दिया था। आज 11 मार्च है । पिछले 26 दिनों में आपने क्या कदम उठाए? कुछ भी नहीं बताया गया है। आपको जानकारी देनी ही होगी।'

15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा झटका देते हुए इलेक्टॉरल बॉन्ड को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलेक्टॉरल बॉन्ड को जिस तरह अज्ञात और गोपनीय रखा गया है, उस कारण यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) का सीधा उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट का मानना था कि लोकतंत्र में जनता के समक्ष सभी सूचनाएं रहनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे सूचना के अधिकार का उल्लंघन माना। कोर्ट ने कहा कि– ये चुनावी लोकतंत्र के खिलाफ है, क्योंकि ये बड़ी कंपनियों को लेवल प्लेइंग फील्ड खत्म करने का मौका देती है। अंत में जनता को यह भी पता नहीं चल पाता था कि आखिर यह कंपनियां कितना चंदा किस राजनीतिक दल को दे रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले 6 मार्च की समयसीमा तय की थी, लेकिन इसके दो दिन पहले ही स्टेट बैंक की तरफ से इसे 30 जून तक करने का अनुरोध किया गया। आज की तारीख में जब टेक्नालॉजी इतनी आगे बढ़ी हुई है,तब देश के इतने बड़े बैंक को एक खास स्कीम के तहत लेन–देन के डिटेल्स निकालने में इतना वक्त लग जाएगा, इस पर सवाल उठ रहे थे। इस संपूर्ण मामले से ऐसा लग रहा था कि स्टेट बैंक पर केंद्र सरकार का काफी दबाव है और केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को क्रियान्वित करने में पर्दे के पीछे से बाधक बन रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्टेट बैंक को तो केवल सीलबंद लिफाफे को खोलना है और सार्वजनिक कर देना है। अपने संक्षिप्त आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को यह भी कहा कि– हर राजनीतिक दल बैंक की 29 निर्धारित शाखाओं में ही केवल चालू खाता खोल सकता है। इसलिए यह जानकारी आसानी से हासिल की जा सकती है।

केंद्र सरकार ने देश के राजनीतिक दलों के चुनावी चंदे के लिए वित्त वर्ष 2017–18 के बजट में इलेक्टॉरल बांड शुरू करने का ऐलान किया था। इस योजना को सरकार ने 29 जनवरी 2018 को कानूनन लागू किया था। इलेक्टॉरल बॉन्ड से मतलब एक ऐसे बॉन्ड से होता है, जिसके ऊपर एक करेंसी नोट की तरह उसकी वैल्यू लिखी होती है। यह बांड व्यक्तियों,संस्थाओं अथवा संगठनों द्वारा राजनीतिक दलों को पैसा दान करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था।

चुनावी बांड एक हजार, दस हजार, एक लाख, दस लाख तथा एक करोड़ रूपये के मूल्य के होते थे। सरकार की ओर से चुनावी बॉन्ड जारी करने और उसे भुनाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक को अधिकृत किया गया था, जो अपनी 29 शाखाओं के माध्यम से यह काम करता है। इलेक्टॉरल बॉन्ड को लाने के लिए सरकार ने फाइनेंस एक्ट–2017 के जरिए रिजर्व बैंक एक्ट–1937,जनप्रतिनिधित्व कानून–1951,आयकर एक्ट–1961 और कंपनी एक्ट में कई संशोधन किए गए थे। केंद्र सरकार ने इलेक्टॉरल बांड योजना को 2 जनवरी, 2018 को अधिसूचित किया। इसके मुताबिक कोई भी भारतीय नागरिक या भारत में स्थापित संस्था चुनावी बॉन्ड खरीद सकती है। चुनावी बांड खरीदने के लिए संबंधित व्यक्ति या संस्था के खाते का केवाईसी वेरिफाइड होना आवश्यक होता था।

जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 29 ए के तहत पंजीकृत राजनीतिक पार्टियां तथा पिछले आम चुनाव या विधानसभा चुनाव में जनता का कम से कम एक फीसदी वोट हासिल करने वाली राजनीतिक पार्टियां ही चुनावी बॉन्ड के जरिए पैसे ले सकती थी। चुनावी बॉन्ड्स पर बैंक द्वारा कोई ब्याज नहीं दिया जाता था। स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद 13 मार्च को हलफनामा देकर बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन किया गया है। एसबीआई (स्टेट बैंक) ने इलेक्टॉरल बॉन्ड की खरीद बिक्री, इसके खरीदारों के नाम समेत सभी संबंधित जानकारी को लेकर रिपोर्ट तैयार की है और उसे समय रहते चुनाव आयोग को उपलब्ध करा दिया है। इस हलफनामे में बैंक ने आंकड़ों के द्वारा बताया है कि 1 अप्रैल 2019 से 15 फरवरी 2024 तक 22,217 इलेक्टॉरल बॉन्ड्स बिके हैं। इनमें से 22,030 बॉन्ड्स भुना लिए गए हैं। केवल 187 बॉन्ड्स का भुगतान नहीं लिया गया है।

पॉलिटिकल फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ाने के तमाम दावों के बीच इलेक्टॉरल बॉन्ड पर भी अपारदर्शी होने का गंभीर आरोप लगने लगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे गुमनाम और अपारदर्शी होने के कारण असंवैधानिक घोषित किया। 2017 में केंद्र सरकार ने कहा कि राजनीतिक दलों की फंडिंग में अज्ञात स्रोतों से आने वाले आय की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में सरकार पारदर्शी व वैधानिक फंडिंग के लिए इलेक्टॉरल बॉन्ड ला रही है। लेकिन इलेक्टॉरल बॉन्ड की अपारदर्शिता पूर्व के व्यवस्था से भी खतरनाक रही। लगता है कि इन बॉन्डों के जरिए चंदे का कानून बनने से हम एक अपारदर्शी व्यवस्था को छोड़कर एक दूसरी अपारदर्शी व्यवस्था के दायरे में आ गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टॉरल बांड के मुद्दे पर केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया। शीर्ष अदालत ने कि सरकार की काले धन पर लगाम लगाने की कोशिश के रूप में इलेक्टॉरल बॉन्ड की कवायद पूरी तरह बेकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि– जिस तरह से इलेक्टॉरल बॉन्ड्स की व्यवस्था प्रारंभ की गई है, इससे लगता है कि यह ब्लैक मनी को व्हाइट करने का तरीका है साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि–जब कंपनियां राजनीतिक दलों को चंदा देती हैं, तो हो सकता है कि उन्होंने चंदे के बदले में किसी फयदे के लिए ऐसा किया हो। सुप्रीम कोर्ट की इस दलील में दम भी है, क्योंकि अधिकांश चंदा सत्तारुढ़ दल बीजेपी को ही प्राप्त हुआ है।

याचिकाकर्ताओं का सुप्रीम कोर्ट में कहना था कि मतदाताओं को राजनीतिक दलों के चंदे का स्रोत जानने का अधिकार है। इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि– जनता को सिर्फ राजनीतिक दलों के उम्मीदवार के बारे में जानने का अधिकार है, उसे इस बात से फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि राजनीतिक दलों का चंदा कहां से आ रहा है। स्पष्ट है कि केंद्र सरकार का यह तर्क अत्यंत कमजोर था, क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च है और उसे सब कुछ जानने का अधिकार है। इलेक्टॉरल बॉन्ड की असंवैधानिक व्यवस्था को लेकर विपक्ष सहित चुनाव सुधार से संबंधित तमाम संगठन सरकार को लगातार चेतावनी दे रहे थे कि यह पूर्णतः असंवैधानिक है। अगर सरकार पहले ही इन आलोचनाओं को लेकर गंभीर होती, तो आज इस मामले पर चुनाव पूर्व सरकार इस तरह इलेक्टॉरल बॉन्ड के झटके नहीं खा रही होती। इस सरकार में उद्योगपतियों का जिस तरह बोलबाला रहा, उसका पूरा प्रभाव इलेक्टॉरल बॉन्ड पर भी दिखा। एडीआर के आंकड़ों के अनुसार, इलेक्टॉरल बॉन्ड का सबसे ज्यादा लाभ बीजेपी को मिला।

वर्ष 2017–18 से 2022–23 के बीच बीजेपी को 6,566 करोड़ के इलेक्टॉरल बॉन्ड मिले, जबकि इस दौरान 9,200 करोड़ के बॉन्ड जारी किया गया। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब सत्ताधारी दल को इतना चंदा दिया जाता है, तो किस उम्मीद में दिया जाता है। चंदा देने वाला जब सभी पार्टियों को छोड़कर बीजेपी को ही सबसे अधिक चंदा दे रहा है, तो जरूर उसकी अपेक्षा होगी कि सरकार उनके पक्ष में नीतियों का निर्माण करेगी। आखिर भारी संख्या में एयरपोर्ट अडानी को ही क्यों दिए जा रहे हैं? इन प्रश्नों का उत्तर भी अब जल्द मिलने वाला है। इन आंकड़ों के सार्वजनिक होने से बहुत सारी चीजों पर रोशनी पड़ेगी। कोई फायदा लेना ही भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा कारण होता है। किसकी किस कंपनी को ठेका मिल रहा है? जो नीतियां बन रही हैं, क्या वह कुछ कंपनियों को लाभ पहुंचा रही हैं? ऐसे में लोकसभा चुनाव से पूर्व इलेक्टॉरल बॉन्ड के नए खुलासे से सत्तारूढ़ पार्टी घिरती दिख रही है, इससे कई नए घोटालों का भी पर्दाफाश होगा। प्रश्न तो यह भी उठ रहा है कि क्या कुछ कंपनियों से इलेक्टॉरल बॉन्ड से फंड लेकर उनके विरुद्ध एजेंसियों की कार्यवाही में राहत प्रदान की गई? यह सूचनाएं भी बाहर आएगी कि चंदे लेने के बाद कितने कंपनियों के मामलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। यह भ्रष्ट उद्योगपतियों एवं सरकार के गठबंधन की पोल खोल भी करेगा। भारतीय चुनाव प्रक्रिया में धन बल का प्रयोग अत्यधिक होता है। ऐसे में अगर चुनावी चंदे की व्यवस्था को अत्यंत पारदर्शी न बनाया गया, तो राजनीति के काले धन से संचालित होने के संभावनाओं को खारिज नहीं किया जा सकता। आशा है कि जल्द ही देश में राजनीतिक दलों के चंदे से संबंधित एक ऐसा पारदर्शी ढांचा बन सकेगा, जहां राजनीतिक दलों के 'अज्ञात स्रोत' वाले चंदे का मॉडल समाप्त हो सके।

सचाई विभाग में लिपिक की नौकरी दिलाने के नाम पर 25 लाख की ठगी पूर्व जेई सहित पांच पर केस

देवरिया। सिंचाई विभाग में लिपिक के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाजों ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख से 25 लाख रुपए की ठगी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। जालसाजों के इस गिरोह में सिंचाई विभाग का एक पूर्व अभियंता भी शामिल है। पैसा वापस मांगने पर जालसाज जानमाल की धमकी दे रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने आरोपी सिंचाई विभाग के अवर अभियंता सहित पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी का केस दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है।

तरकुलवा थाना क्षेत्र के वृक्षापट्टी गांव के रहने वाले पूर्व ब्लॉक प्रमुख ब्रह्मा यादव की गोरखपुर क्षेत्र के एक सिंचाई विभाग के अवर अभियंता बलवंत प्रसाद सिंह से जान–पहचान थी। आरोप है कि अवर अभियंता बलवंत प्रसाद सिंह ने पूर्व प्रमुख को बताया कि वह कुछ ऐसे लोगों को जानता है, जो रुपए लेकर नौकरी दिलाने का काम करते हैं। आरोपी जेई ने पूर्व प्रमुख की उनलोगों से परिचय भी करा दी।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख ब्रह्मा यादव जालसाजों के झांसे में आ गए। जालसाज सिंचाई विभाग में लिपिक की नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे 25 लाख रुपए की मांग किए। पैसे का इंतजाम कर पूर्व प्रमुख ने14 अगस्त 2020 को दो लाग रुपए अग्रिम के तौर पर उनके खाते में ट्रांसफर कर दिए। बाद में अवर अभियंता बलवंत के कहने पर उन्होंने 2 सितंबर 2020 को नौकरी दिलाने वाले गिरोह के अन्य लोगों के खाते में 23लाख रुपए हस्तांतरित कर दिया।

लगभग साढ़े तीन साल बीत जाने के बाद भी आरोपियों ने नौकरी नहीं दिलाई। जब पूर्व प्रमुख ने अपने रुपए वापस मांगे तो वे लोग टाल मटोल करने लगे। जब रुपए वापस करने के लिए पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने दबाव बनाना शुरु किया तो जालसाज परिवार सहित उनको जानमाल की धमकी देने लगे।

इसके बाद उन्होंने आरोपितों के खिलाफ तरकुलवा थाने में तहरीर दी।

पुलिस ने सिंचाई विभाग के पूर्व अभियंता बलवंत प्रसाद सिंह निवासी हरदिया थाना गुलहरिया, धीरज जायसवाल निवासी जेबीएल हाउस रसूलपुर गोरखपुर, सुनील सिंह गोरखपुर, प्रभाकर दुबे निवासी रघुनाथपुर, सीवान बिहार और राजीव गोयल निवासी बीपी आवास अकबर रोड नई दिल्ली के खिलाफ केस दर्ज किया है। सीओ संजय रेड्डी ने बताया कि पूर्व जेई समेत पांच लोगों पर धोखाधड़ी व जान से मारने की धमकी का केस दर्ज किया गया है।

जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

नजूल नीति: गोरखपुर में चर्च की 94 एकड़ भूमि पर था घोष बाबू का हाता...बेचकर बिल्डिंग बनवा ली- सीएम से की शिकायत

गोरखपुर। इंडियन ट्रस्ट चर्च के मैनेजर बोबी विलियम ने जनसुनवाई पोर्टल पर सीएम से की शिकायत। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि पूरे मामले की जांच करवाते हुए शासन पूरी भूमि को समाहित कर ले। चर्च की भी मंशा है कि लोकहित में इस जमीन का उपयोग सके। इसके अलावा चर्च सोसाइटी के समन्वय से कुछ हिस्सा मूल हकदार को भी मिल सके। नजूल अध्यादेश–2024 लागू होने के बाद अब शहर में बेशकीमती जमीनों को नियम विरुद्ध बेचे जाने का मामले भी खुलने लगे हैं। ऐसी ही एक शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई है, जिसमें पादरी बाजार में घोष बाबू का हाता की जमीन को बेचने का आरोप इंडियन ट्रस्ट चर्च के मैनेजर बॉबी विलियम ने लगाया है। उनका आरोप है कि चर्च मिशन सोसाइटी से घोष बाबू को लीज पर मिली 94 एकड़ जमीन को धोखाधड़ी से बेच डाला गया। जमीन के धंधेबाजों ने उस जमीन पर मकान, होटल और बड़ी–बड़ी बिल्डिंग बनवा डालीं। जनसुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायत के अनुसार, घोष बाबू के परिजनों ने शहर में गलत तरीके से एक व्यक्ति को चर्च की लीज पर मिली जमीन की पॉवर ऑफ अटार्नी सौंप दी। इसके बाद हाता की लीज की 94 एकड़ जमीन को बेच दिया गया, जबकि चर्च की लीज की जमीन को बेचना तो दूर, लीजी (लीज लेने वाला) के निधन के बाद स्थानांतिरत भी नहीं किया जा सकता।

इसके लिए दावेदार को फिर से आवेदन करना होता है और कमेटी इस पर फैसला लेती है लेकिन, लीजी के निधन के बाद उनके बेटे ने फर्जी तरीके से खुद को जमीन का लीजी दिखाते हुए तीसरे आदमी को पॉवर ऑफ अटार्नी देकर ये जमीन बिकवा दी। इसकी जानकारी चर्च ऑफ इंडिया को 2013 में हुई। विलियम ने शिकायत में लिखा है कि इसके बाद मौके पर जाकर घोष बाबू के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन, उक्त स्थल पर घोष बाबू, उनके परिजन या किसी अन्य से संपर्क नहीं हो सका। पूछने पर पता चला कि अब उनके परिवार का यहां कोई नहीं रहता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि पूरे मामले की जांच करवाते हुए शासन पूरी भूमि को समाहित कर ले। चर्च सोसाइटी के समन्वय से कुछ हिस्सा मूल हकदार को भी मिल सके। जनसुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायती पत्र में विलियम ने कहा है कि रेवेन्यू रिकार्ड में 29 जनवरी 2019 को सत्यापित लीज की डीड के अनुसार, 6 मार्च 1945 में चर्च मिशन सोसाइटी के जेएच फरेर द्वारा बशारतपुर में प्रियो नाथ घोष (पीएन घोष) को 94 एकड़ जमीन लीज पर दी गई थी। 1956 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गजट जारी कर चर्च मिशन सोसाइटी की संपत्तियों को इंडियन ट्रस्ट चर्च के अधीन कर दिया।

इसी में गोरखपुर में घोष बाबू का हाता भी था। आरोप है कि ट्रस्ट की तरफ से दी गई लीज प्रीप्रूवल लीज (अवधि नहीं होती, लेकिन 99 वर्ष के लिए मान्य होती है) दी थी। इसके तहत बिना किसी तरह के पक्के निर्माण कराए उसकी निगरानी के लिए एक समझौता किया गया।

इसके लिए प्रति बीघा तत्कालीन समय में दो रुपये चार आना सालाना शुल्क पट्टेदार की तरफ से जमा किया जाता था। पट्टेदार के निधन के बाद सोसाइटी की तरफ से उनके वारिसों के नाम पर रिलीज की जानी थी। आरोप है कि विधिक प्रक्रिया अपनाए बिना घोष के परिजनों ने खुद को असल पट्टेदार घोषित कर दिया।

यही नहीं, बेटे एंथोनी ललित मोहन ने पारस नाथ गुप्ता के नाम से अवैध पॉवर ऑफ अटार्नी भी दे दी। इसी पॉवर ऑफ अटार्नी का प्रयोग करते हुए अलग–अलग नामों से कर दिया। इन्हीं पॉवर ऑफ अटार्नी वालों ने अवैध तरीके से घोष बाबू के हाते की जमीन को भूमिधर दिखाते हुए लीज से बाहर कर ग्राहकों को बेच दिया। जबकि, लीज की जमीन को फ्री होल्ड करवाए बिना पट्टेधारक किसी दूसरे के नाम पर भी स्थानान्तरित तक नहीं करवा सकते। आरोप लगाया गया है कि घोष बाबू के परिवारजनों ने पॉवर ऑफ अटार्नी का गलत प्रयोग करते हुए लीज की 94 एकड़ जमीन को गलत तरीके से बैनामा कर लोगों के साथ ठगी कर दी। इसे बेचा तो जा ही नहीं सकता था। चर्च प्रबंधन की मंशा है कि उक्त बची जमीन के हिस्से के साथ पूरी जमीन की जांच प्रशासन अपने स्तर से करवा ले।

सीएम योगी स्पोर्ट्स सिटी सहित 76 परियोजनाओं की देंगे सौगात, तैयारियां पूरी

गोरखपुर। इस दौरान वह गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 1878 करोड़ की 76 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। सीएम योगी 1858 करोड़ की जिन 25 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे उनमें जीडीए की 207 एकड़ में बनने वाली राप्तीनगर विस्तार एवं स्पोर्ट्स सिटी परियोजना सबसे प्रमुख है।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 1878 करोड़ की 76 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। सीएम योगी 1858 करोड़ की जिन 25 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे उनमें जीडीए की 207 एकड़ में बनने वाली राप्तीनगर विस्तार एवं स्पोर्ट्स सिटी परियोजना सबसे प्रमुख है। इसके अलावा 17.21 करोड़ से वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला में महंत अवेद्यनाथ ज्ञान विज्ञान पार्क की स्थापना, 13.47 करोड़ से मेडिकल रोड पर चरगांवा के करीमनगर चौराहे को जोड़ने वाली सड़क को स्मार्ट बनाए जाने, 10 करोड़ से वॉटर स्पोर्ट्स काम्पलेक्स का अनुरक्षण एवं रामगढ़ताल में स्पोर्ट्स एक्टिविटी के संचालन समेत 21 परियोजनाएं शामिल हैं।

इसके अलावा योगी 3.60 करोड़ से सोनबरसा में स्मार्ट स्कूल एवं ग्राम पंचायत भवन, 1.78 करोड़ से सिटी मॉल के सामने गोरखपुर हाट, 1.72 करोड़ से योगी बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं संस्कृति केंद्र में ऑनग्रिड 250 केडब्ल्यूपी सोलर प्लांट की आपूर्ति एवं स्थापना, 1.40 करोड़ से सर्किट हाउस के सामने मैरिएट होटल 11 केवी ओवर हेड फीडर शिफ्टिंग समेत 51 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे।

अधिकारियों ने तैयारियों का लिया जायजा

जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन, सचिव उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को प्राधिकरण के अभियंताओं के साथ मौके का निरीक्षण कर कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए। फर्टिलाइजर फैक्ट्री को जाने वाली सड़क से स्पोर्ट्स स्टेडियम को जाने वाली सड़क के बीच प्राधिकरण की ओर से राप्तीनगर विस्तार में प्रस्तावित मेडिकल सुविधाओं के लिए आरक्षित भूखंडों की भूमि पर पूजन किया जाएगा।

फतेहपुर गांव की जमीन पर सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा आयोजित होगी। निरीक्षण के दौरान राप्तीनगर विस्तार एवं स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने के लिए चयनित फर्म मेसर्स गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 मार्च को प्राधिकरण की 1876 करोड़ की लागत से 76 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसमें राप्तीनगर विस्तार एवं स्पोर्ट्स सिटी शामिल है। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेकर आवश्यक सुधार का निर्देश दिया गया है।

थाईलैंड में रहने के लिए युवक ने नाम बदलकर बनवाया पासपोर्ट- ऐसे आया पकड़ में

गोरखपुर। पवन कुमार त्रिपाठी के नाम से जारी पासपोर्ट के जरिये वह पहले थाईलैंड में रहता था। वीजा की अवधि खत्म होने के बावजूद वह अवैध रूप से थाईलैंड में रह रहा था। इस वजह से उसके पासपोर्ट को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया और उसे भारत में निर्वासित कर दिया गया। लेकिन वह फिर से थाईलैंड जाने की ठानी और फर्जी पासपोर्ट बनवा लिया।

नई दिल्ली। थाईलैंड में अवैध रूप से रहने के दौरान गोरखपुर के एक को युवक ब्लैक लिस्ट कर दिया गया। लिहाजा युवक अब उस पासपोर्ट पर दोबारा थाईलैंड नहीं जा सकता था। युवक ने भी आधार कार्ड में नाम पता बदलकर दूसरा पासपोर्ट ही बनवा लिया, लेकिन उसकी यह चालबाजी आईजीआई एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन के दौरान धरी रह गई। अधिकारियों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पवन कुमार तिवारी नाम का एक युवक थाईलैंड जाने के लिए 10 मार्च की रात हवाई अड्डा पहुंचा। उसका स्पाइस जेट के विमान में टिकट था। युवक इमिग्रेशन मंजूरी के लिए अधिकारियों के पास गया। कागजात की जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि युवक के पास दो नाम से पासपोर्ट है। अधिकारियों ने उससे पूछताछ की। युवक ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि उसका असली नाम पवन कुमार त्रिपाठी है। वह मूलतः गांव बसावनपुर गोरखपुर यूपी का रहने वाला है। वह पवन कुमार त्रिपाठी के नाम से जारी पासपोर्ट के जरिये वह पहले थाईलैंड में रहता था। वीजा की अवधि खत्म होने के बावजूद वह अवैध रूप से थाईलैंड में रह रहा था। इस वजह से उसके पासपोर्ट को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया और उसे भारत में निर्वासित कर दिया गया। लेकिन वह फिर से थाईलैंड जाने की ठानी।

इसके लिए वह अपने आधार कार्ड में जन्मतिथि और अपना व अपने पिता का नाम बदल दिया। उसने बताया कि इस आधार कार्ड के जरिए उसने पवन कुमार तिवारी के नाम से पासपोर्ट हासिल कर लिया। जिसकी मदद से वह थाईलैंड जाने के लिए दिल्ली हवाई अड्डा पहुंचा। अधिकारियों ने आरोपी युवक को पुलिस के हवाले कर दिया।

डेढ़ माह में निरस्त हो गए जाति, आय और निवास के 3252 आवेदन- अब करना पड़ रहा ये काम

गोरखपुर। एक फरवरी से 13 मार्च तक जाति और आय प्रमाण के लिए 18931 आवेदन हुए थे, इनमें 2373 आवेदन निरस्त हो गए। इनमें 1181 जाति और 1192 आय के आवेदन निरस्त हुए हैं। 10,070 आवेदन जाति के लंबित हैं। इसी प्रकार निवास प्रमाण पत्र के 1188 आवेदन लंबित हैं। डेढ़ माह में 6682 लोगों ने निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था, जिनमें 779 लोगों के आवेदन रिजेक्ट हो गए हैं। जाति, आय और निवास प्रमाण पत्रों के आवेदन निरस्त होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सदर तहसील में डेढ़ माह में 3252 आवेदन निरस्त हो गए हैं। इन्हें दोबारा आवेदन करना पड़ रहा है। इनमें कुछ लोग शिकायतें भी कर रहे हैं, लेकिन प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए दूसरी बार आवेदन करना ही विकल्प है। कुछ आवेदनों में राजस्वकर्मियों की लापरवाही से दिक्कतें आ रही हैं तो कुछ मामलों में जनसेवा केंद्रों से गलत जानकारी अपलोड की जा रही है। आठ फरवरी से ही आधार कार्ड आधारित ओटीपी के माध्यम से प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। जिनके आधार कॉर्ड में नाम में त्रुटियां हैं, उनके आवेदन भी अटक जा रहे हैं। जाति, आय और निवास प्रमाणपत्र के बिना लोगों के काम भी अटक रहे हैं, लेकिन प्रमाणपत्र मिलने की राह आसान नहीं हो पा रही है। एक फरवरी से 13 मार्च तक जाति और आय प्रमाण के लिए 18931 आवेदन हुए थे, इनमें 2373 आवेदन निरस्त हो गए। इनमें 1181 जाति और 1192 आय के आवेदन निरस्त हुए हैं। 10,070 आवेदन जाति के लंबित हैं। इसी प्रकार निवास प्रमाण पत्र के 1188 आवेदन लंबित हैं। डेढ़ माह में 6682 लोगों ने निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था, जिनमें 779 लोगों के आवेदन रिजेक्ट हो गए हैं।

इस कारण निरस्त हो रहे हैं आवेदन

राजस्व कर्मियों के फोल्डर में निर्धारित समय से अधिक दिन तक आवेदन लंबित नहीं रहना चाहिए, इस कारण पर्याप्त साक्ष्य या जानकारी के अभाव में आवेदन निरस्त किए जा रहे हैं। कुछ मामलों में अधूरी जानकारी भी आवेदन रिजेक्ट होने का कारण बन रही है। राजस्व विभाग में राजस्व गांव लिखना चाहिए, लेकिन कुछ लोग पत्राचार का स्थानीय पता भरकर भी मायूस हो रहे हैं। जिन लोगों का आवेदन रिजेक्ट हुआ है, उनमें कम लोग ही शिकायत कर रहे हैं।

तहसीलदार सदर विकास सिंह ने बताया फोल्डर में रिपोर्ट लगाने के दौरान कभी कभी आवेदकों से संपर्क नहीं हो पाता है तो अपूर्ण साक्ष्य और जानकारी नहीं मिल पाती है। जिन लोगों के फोल्डर में अधिक संख्या में आवेदन रिजेक्ट होंगे, उनसे जवाब मांगा जाएगा।

'मुझसे शादी करो नहीं तो...'

इस जिद से परेशान हुआ शादीशुदा प्रेमी क्राइम वेब सीरीज देख बनाया हत्या का प्लान

रायपुर,संवाददाता। तंपचनत ब्तपउम छमूः छत्तीसगढ़ के रायपुर से बेहद ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। आमासिवनी पुलिस कॉलोनी में एक पुलिसकर्मी की पत्नी जॉली सिंह की कैंची मारकर हत्या कर दी। ये हत्या उसी के प्रेमी जय सिंह ने किया है। दरअसल, जय का जॉली से 4 साल से अवैध संबंध था और वह हमेशा शादी करने की जिद किया करती थी। पहले से शादीशुदा जय दो बच्चों का पिता है और वह जॉली से शादी नहीं करना चाहता था। बता दें कि जॉली अपने पति से अलग रह रही थी और लगातार जय पर शादी का दबाव बना रही थी। वह लगातार धमकी दे रही थी कि अगर शादी नहीं हुई तो वह पुलिस में शिकायत दर्ज करा देगी। इस धमकी से परेशान जय ने जॉली को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

प्रेमिका से पीछा छुड़ाना चाहता था प्रेमी

जय अब अपनी प्रेमिका से पीछा छुड़ाना चाहता था और इसके लिए उसने क्राइम की कई वेबसीरीज देखी। हत्या की वारदात को कैसे अंजाम दिया जाता है और पुलिस से कैसे बचा जा सकता है? इन सभी को जानने के लिए जय ने कई तरह की क्राइम वेबसीरीज देखी। वेबसीरीज से उसने यह भी सीखा की कैसे मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करना है। साथ ही अपने प्रेमिका से कोई संपर्क नहीं करना है, ताकि दोनों के संबंध का कुछ भी सबूत पुलिस को मिले। 5 मार्च को जय ने जॉली को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। सबसे पहले वो मुंबई से फ्लाइट लेकर रायपुर पहुंचा। किसी को पता न चले इसके लिए जय ने सिर पर टोपी, चेहरे पर स्कार्फ और मास्क लगाकर जाली के घर पहुंच गया। सबसे पहले उसने पुलिस कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग बंद कर दी और घर में घुस गया। अंदर कमरे में आते ही जाली और जय के बीच अनबन होने लगी।

कैंची से कर दिया हमला

विवाद इतना बढ़ गया की जय ने गुस्से में जाली पर कैंची से कई बार हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घबराते हुए जय मृतिका जॉली का फोन लेकर घर पर ताला लगाकर फरार हो गया। हड़बड़ी में जाली का फोन रास्ते में गिर जाने से ही जय सिंह की गिरफ्तारी हुई। जाली का फोन एक राहगीर के हाथ लग गया।

पुलिस की साइबर यूनिट लोकेशन ट्रेस कर मोबाइल तक पहुंची। इसके बाद मोबाइल का डाटा निकालने पर जय और जॉली के प्रेम संबंध का पता चला। पुलिस ने जय सिंह को गिरफ्तार किया और पूछताछ में उसने बताया कि वह मुंबई के कोनगांव कल्याण में नौकरी करता है। मृतिका जाली सिंह का संपर्क जय से इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से हुआ था। दोनों मोबाइल पर घंटों बातचीत करते थे और रिल्स भी बनाते थे। इसी दौरान दोनों एक–दूसरे के करीब आ गए।

लोकसभा चुनावों की दुदुंभि बजने में चंद घंटे बाकी

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। कल लोकसभा चुनाव की तारीख की घोषणा होने वाली है। खुद चुनाव आयोग ने जानकारी दी है कि कल आयोग 3 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव की तारीख का खुलासा किया जाएगा। पिछली बार (2019 में) चुनाव की घोषणा 10 मार्च को की गई थी। पिछली बार चुनाव का एलान रविवार को हुआ था, लेकिन इस बार शनिवार को घोषणा होगी। आयोग की इस घोषणा से हर तरफ हलचल शुरू हो गई है। पार्टियों ने जीत के लिए रणनीति बनाना और तेज कर दिया है। तारीख की घोषणा होने में बस कुछ घंटे ही बचे हैं। उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाला राज्य है। यहां कुल 80 लोकसभा सीटें हैं। यूपी में पिछली बार सात चरणों में वोटिंग हुई थी। ऐसे में, सभी पार्टियां खास तौर पर यूपी पर ध्यान देती हैं। आईए जानते हैं कि 2019 में यूपी में कब–कब वोटिंग हुई थी।

2019 में यूपी में कब–कब हुई थी वोटिंग?

लोकसभा चुनाव 2019 में यूपी में सात चरणों में वोटिंग हुई थी। यूपी से अलग सिर्फ बिहार और पश्चिम बंगाल में सात चरणों में वोटिंग हई थी। अन्य सभी राज्यों में सात से कम चरणों में वोटिंग हुई थी।

पहला चरण की वोटिंगः 11 अप्रैल (आठ सीट)
सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर।

दूसरा चरण की वोटिंगः 18 अप्रैल (आठ सीट)
नगीना, अमरोहा, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, आगरा और फतेहपुर सीकरी।

तीसरा चरण की वोटिंगः 23 अप्रैल (दस सीट)
मुरादाबाद, रामपुर, संभल, फीरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला, बरेली और पीलीभीत।

चौथा चरण की वोटिंगः 29 अप्रैल (13 सीट)
शाहजहांपुर, खीरी, हरदोई, मिश्रिख, उन्नाव, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, जालौन, झांसी और हमीरपुर।

पांचवां चरण की वोटिंगः छह मई (14 सीट)
धौरहरा, सीतापुर, मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, बहराइच, कैसरगंज और गोंडा।

छठा चरण की वोटिंगः 12 मई (14 सीट)
सुलतानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, प्रयागराज, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, संत कबीर नगर, लालगंज, आजमगढ़, जौनपुर, मछलीशहर और भदोही।

सातवां चरण की वोटिंगः 19 मई (13 सीट)
महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मीरजापुर और राबर्ट्सगंज।

इस बार कितने हो सकते हैं चरण?

पिछली बार लोकसभा चुनाव 07 चरणों में संपन्न हुए थे। इस बार भी चुनाव 06 से 07 चरणों में चुनाव होने की संभावना है।

पुलिस भर्ती पेपर लीक के मुख्य आरोपी को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

कई दिनों से चल रही थी तलाश

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती पेपर लीक प्रकरण में फरार आरोपित को एसटीएफ ने कौशांबी जिले से गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि बीते माह एसओजी ने पुलिस भर्ती से पहले कार सवार तीन युवकों को पकड़ा था। उनके पास से नकदी रुपए के अलावा मार्कशीट और लैपटॉप आदि बरामद हुआ था। पूछताछ में उन्होंने सरगना अरुण सिंह निवासी लखनऊ का नाम बताया था।

, संवाददाता, कौशांबी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती पेपर लीक प्रकरण में फरार आरोपित को एसटीएफ ने कौशांबी जिले से गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि बीते माह एसओजी ने पुलिस भर्ती से पहले कार सवार तीन युवकों को पकड़ा था। उनके पास से नकदी रुपए के अलावा मार्कशीट और लैपटॉप आदि बरामद हुआ था।

पूछताछ में उन्होंने सरगना अरुण सिंह निवासी लखनऊ का नाम बताया था। जनपद पुलिस से पहले यूपी एसटीएफ ने उसे पकड़ लिया। साथ ही मंझनपुर पुलिस के सुपुर्द किया। उससे पूछताछ जारी है। बता दें कि बीते दिनों उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा के दौरान नकल करवाने वाले दो वांछितों को नोएडा एसटीएफ की टीम ने मथुरा से गिरफ्तार किया है। एक आरोपित के ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

एसटीएफ ने आरोपितों को गिरफ्तार कर कोतवाली सेक्टर–39 में दाखिल कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस गैंग के एक शातिर को एसटीएफ पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है।

गिरफ्तार आरोपित मेरठ, मुजफ्फरनगर, गौतमबुद्ध नगर, झांसी सहित कई जिलों से वांछित थे।

मेरठ–हापुड़ सीट पर होगी कांटे की टक्कर

मेरठ–हापुड़ लोकसभा सीट पर पसरा है सन्नाटा दूसरी लिस्ट में भी मेरठ पर प्रत्याशी नहीं दे पाई भाजपा? सपा, बसपा भी अभी तक कर रहे मंथन

मेरठ,संवाददाता। भाजपा, सपा हो या बसपा सभी में टिकट की घोषणाएं हो रही हैं, लेकिन सभी मेरठ–हापुड़ सीट से किनारा करके टिकट बांट रहे हैं। मेरठ को लेकर सभी पार्टियों में असमंजस है। जानकार बताते हैं कि मेरठ लोकसभा क्षेत्र अब चुनौती वाला और कठिन सीटों में शामिल हो गया है क्योंकि यहां मुकाबला कांटे की टक्कर का होता है। सभी राजनीतिक दलों को ऐसे नाम की तलाश है जो चूके नहीं मिशन संभव करने का दम रखता हो, इसलिए दावेदारों की फेहरिस्त में भी नाम तय कर पाने में शीर्ष ठिठक रहा है। भाजपा ने मुजफ्फरनगर, नोएडा समेत कई सीटों पर टिकट दे दिए लेकिन मेरठ को छोड़ दिया। उसके सहयोगी दल रालोद ने भी अपनी दोनों सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए।

मेरठ में छाया सन्नाटा

सपा ने भी कैराना समेत कई सीटों पर प्रत्याशी तय कर दिए, लेकिन मेरठ पर निर्णय नहीं कर पाई। बसपा ने वैसे तो आधिकारिक तौर पर प्रत्याशी नहीं घोषित किए हैं लेकिन बिजनौर, मुजफ्फरनगर समेत कुछ सीटों पर स्थिति स्पष्ट हो गई है सिर्फ औपचारिकता होनी है। हालांकि बसपा मेरठ सीट पर संभावित प्रत्याशी का नाम नहीं दे सकी है।

पीयूष गोयल रास्ते से हटे, स्थानीय दावेदारों के चेहरे खिले

भाजपा किसे टिकट देगी यह मेरठ ही नहीं आसपास सीटों पर भी चर्चा है। भाजपा के बारे में कोई कयास नहीं लगता फिर भी दावे का दौर तो चलता ही है। किसी के अनुसार राजेंद्र अग्रवाल ही टिकट पाएंगे तो कोई केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के मेरठ से लड़ने की संभावना जता रहा था।

अब जब स्पष्ट हो गया है कि पीयूष गोयल महाराष्ट्र भेजे गए हैं तो यहां दावेदारों को राहत मिली है। कोई बाहर से आकर चुनाव लड़ेगा या पार्टी स्थानीय नेताओं में से ही किसी को चुनेगी यह तो पार्टी ही जाने। स्थानीय नेताओं में दावेदारों की लंबी सूची है। कोई खुलकर सामने आ रहा है तो कोई चुपचाप संपर्क में है। महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन ऋतुराज, विधायक अमित अग्रवाल, संजीव गोयल सिक्का, विकास अग्रवाल, विनीत अग्रवाल शारदा तो सामने आ चुके हैं। वहीं यह भी चर्चा है कि डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, धर्मेंद्र भारद्वाज, सरोजिनी अग्रवाल, सोमेंद्र तोमर का भी नाम पहुंचाया गया है।

> लोकसभा चुनाव को देखते हुए सभी राजनीतिक दल मेरठ–हापुड़ सीट से किनारा करके टिकट बांट रहे हैं। सभी राजनीतिक दलों को ऐसे नाम की तलाश है जो चूके नहीं मिशन संभव करने का दम रखता हो इसलिए दावेदारों की फेहरिस्त में भी नाम तय कर पाने में शीर्ष ठिठक रहा है। भाजपा ने मुजफ्फरनगर नोएडा समेत कई सीटों पर टिकट दे दिए लेकिन मेरठ को छोड़ दिया।

आज तय हो सकता सपा का टिकट, लखनऊ बुलाए दावेदार

सपा–कांग्रेस गठबंधन में मेरठ–हापुड़ लोकसभा सीट सपा के खाते में है। यहां पर आज प्रत्याशी का नाम घोषित हो सकता है। इसके लिए पार्टी ने फिर से दावेदारों और पदाधिकारियों को लखनऊ बुलाया है। तीन दिन पूर्व भी लखनऊ में बैठक हुई थी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पदाधिकारियों से राय ली थी। दावेदारों का इंटरव्यू लिया था। विभिन्न समीकरणों पर वार्ता के बाद गोपनीय रूप से लिखित राय भी ली गई थी ताकि ऐसे प्रत्याशी का चयन हो सके जो जीत दर्ज कर सके। दावेदारों में किठौर विधायक शाहिद मंजूर, सरधना विधायक अतुल प्रधान, शहर विधायक रफीक अंसारी, मुखिया गुर्जर, योगेश वर्मा, आकिल मुर्तजा, अब्बास, सन्नी गुप्ता, पूर्व सांसद हरीश पाल की पुत्रवधू नैना के नाम शामिल हैं।

हाथी को नहल मिल रहा मजबूत साथी

सबसे पहले टिकट की घोषणा कर देने वाली बसपा इस बार पीछे है। जानकार बताते हैं कि बसपा को चुनाव में बेहतर स्थिति तक टिकने या जीतने वाले प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। मेरठ–हापुड़ सीट से 2019 में याकूब कुरैशी चुनाव लड़े थे। तब वह जीत तो नहीं सके थे लेकिन विजयी भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। चर्चा थी कि फिर से वह चुनावी मैदान में उतर सकते हैं लेकिन पिछले कुछ समय से वह अलग–अलग समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मीट प्लांट को लेकर कई मुकदमे हुए। जेल भी जाना पड़ा था।

दूसरी चर्चा है शाहिद अखलाक या फिर उनके भाई राशिद अखलाक की। शाहिद बसपा से सांसद रहे हैं और महापौर भी। शाहिद अखलाक ने दैनिक जागरण को बताया कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। वहीं याकूब कुरैशी के बारे भी यही बताया जा रहा है कि याकूब ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। इस सबके बीच अचानक चर्चा में बदर अली का नाम आया है।

बदर अली के नाम की है चर्चा

जानकार बताते हैं कि बदर अली का नाम लगभग तय है क्योंकि हाल ही में उनकी भेंट बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती से हुई थी। वह फिलहाल सपा में हैं लेकिन महापौर चुनाव में उन्होंने मुस्लिम प्रत्याशी की मांग करते हुए पार्टी के निर्णय को नकारा था। बदर पर कई मुकदमे हैं। वह सीएए के विरोध में निकाली गई यात्रा व पथराव मामले में जेल भी गए थे। उनका नाम इसलिए तेजी से चर्चा में आया कि उनकी मुसलमानों में ठीक ठाक पकड़ है। महापौर के चुनाव में यह भी सामने आया था कि उन्होंने सपा के बजाय एआईएमआईएम के प्रत्याशी को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में मदद की थी।

सीएम योगी ने UPPSC द्वारा चयनित 96 अधिकारियों को बांटे नियुक्ति पत्र, कहा- पूरी ईमानदारी से करें अपना काम

संवाददाता, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 96 नव चयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि भर्ती परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता में सेंधमारी करने वालों से सरकार पूरी सख्ती के साथ निपट रही है।

ऐसे लोगों की प्रापर्टी जब्त की जा रही है। उनके घर रेड मारी जा रही है और सरकार ने उन्हें पूरी तरह शिकंजे में ले चुकी है। अगर किसी ने भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की तो सरकार उसे पूरी तरह बर्बाद कर देगी। ऐसे लोग कहीं पर भी छिपे हों, उन्हें ढूंढने में समय नहीं लगेगा और आज यह काम अच्छी तरह से किया जा रहा है। सात वर्षों में 6.50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई।

पूरी ईमानदारी से करें अपना कार्य: सीएम योगी

उन्होंने नव चयनितों का आवाहन किया कि वह अपना कार्य पूरी ईमानदारी से करें। क्योंकि वह अपने कार्यकाल में लोगों की दुआ भी ले सकते हैं और बद्दुआ भी ले सकते हैं। यह आपको ही तय करना होगा। ऐसे तमाम रिटायर अधिकारी मेरे पास आते हैं और सचिवालय के चक्कर लगाते दिखते हैं, जिनका काम नहीं होता। मैं ऐसे लोगों से कहता हूं कि आपका काम तो आपके उत्तराधिकारी ही नहीं कर रहे हैं। जवाब भी कुर्सी पर थे तो ऐसा ही करते थे। आखिर वही फल खाएंगे जो बीज बोया होगा। कार्यक्रम में 39 उप जिला अधिकारियों, 41 पुलिस उपाधीक्षको और 16 कोषाधिकारियों को नियुक्ति पत्र बांटे गए। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र भी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 96 नव चयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने नव चयनितों से कहा कि वह अपना कार्य पूरी ईमानदारी से करें क्योंकि वह अपने कार्यकाल में लोगों की दुआ भी ले सकते हैं और बद्दुआ भी ले सकते हैं। यह आपको ही तय करना होगा।

जनपद सीतापुर के लालबाग चौराहा पर माँ भारती के अनन्य भक्त, हमारे आदर्श, प्रेरणास्रोत श्रद्धेय स्व० अटल बिहारी बाजपेई जी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए।

फतेहपुर सीकरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे राज बब्बर !

संवाददाता, आगरा। फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट पर कांग्रेस से दावेदारों की सूची लंबी होती जा रही है। स्थानीय संगठन के पदाधिकारी अपनी दावेदारी शीर्ष नेतृत्व से कर रहे हैं। सिने अभिनेता और पूर्व सांसद राजबब्बर भी अपनी कोर टीम के साथ चिंतन और क्षेत्र का दौरा करने इसी सप्ताह आ रहे हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के कारण उनका आना स्थगित हो गया। पार्टी के उप्र मीडिया कमेटी के चेयरमैन डा. सीपी राय ने भी अपनी दावेदारी पेश कर दी है। वहीं खेरागढ़ से विधानसभा चुनाव लड़ चुके रामनाथ सिकरवार भी प्रमुख दावेदार हैं।

सपा–कांग्रेस गठबंधन में कांग्रेस के खाते में आई फतेहपुर सीकरी सीट पर दावेदारों की संख्या में नित्य इजाफा हो रहा है। पार्टी ने अपनी दो लिस्ट जारी कर दी हैं,जबकि मजबूत सीट कही जाने वाली सीकरी पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। आगामी लिस्ट का इंतजार यात्रा समापन के बाद होने का अनुमान है।सिने अभिनेता राजबब्बर ने वर्ष 2009 और वर्ष 2019 में दो बार चुनाव लड़ा है और हार बड़े अंतर से हुई है, लेकिन वे दूसरे स्थान पर रहे हैं। पार्टी इस आधार पर सीकरी को अपनी मजबूत सीट मानती है।

राजबब्बर शुरुआत में तो अपने मित्रों से नकारात्मक संदेश दे रहे थे, लेकिन अब सबके आग्रह के बाद वे फिर से मैदान में आने का मन बना रहे हैं।वे अपनी समर्थकों में ऊर्जा भरने और क्षेत्र में अपने लिए संभावनाए तलाशने यात्रा के बाद आने की उम्मीद है। क्षेत्र को उनका और उनको भी नेतृत्व के निर्णय का इंतजार है। वहीं पार्टी के दिग्गज नेता डा. सीपी राय ने अपनी मजबूत दावेदारी नेतृत्व के सामने रख दी है। वहीं खेरागढ़ से विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर चुके रामनाथ सिकरवार भी प्रमुख दावेदारों में है।इसके साथ ही जिला इकाई के पदाधिकारी की पत्नी, पूर्व पदाधिकारी सहित दूसरे लोग भी दावेदारी कर रहे हैं।

सपा-कांग्रेस गठबंधन में कांग्रेस के खाते में आई फतेहपुर सीकरी सीट पर दावेदारों की संख्या में लागातार इजाफा हो रहा है। पाटह्र ने अपनी दो लिस्ट जारी कर दी हैं जबकि मजबूत सीट कही जाने वाली सीकरी पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। पार्टी के उप्र मीडिया कमेटी के चेयरमैन डा. सीपी राय ने भी अपनी दावेदारी पेश कर दी है।

महिलाएं हर क्षेत्र में कामयाब : चंद्रकला

एमिटी विवि. में 20 महिला प्रतिभाओं को किया सम्मानित

लखनऊ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को एमिटी विवि की ओर से संचालित आशा क्लब की ओर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम 'आराध्या' के तहत आयोजन इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सचिव महिला कल्याण वी. चंद्रकला थी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने जेंडर इक्वालिटी और महिला सशक्तिकरण के लिए आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं का सम्मान करके मै स्वयं गर्व की अनुभूति कर रही हूं। उन्होने कहा कि आज की महिलाएं अपने घर की जिम्मेदारी निभाते हुए भी अलग अलग क्षेत्रों में कामयावी की बुलंदी छू रही है, भले ही उन्हें इसके लिए कोई विशेष सहयोग न भी मिला हो वो आज सफल बन रही है। ऐसी अचीवरों का सम्मान करना खुद सम्मान का सम्मान है।

कार्यक्रम के दौरान सेफ नीलिमा कपूर, उप्र की प्रथम ब्रंड अम्बेसडर खादी और मॉडल पंखुड़ी गिडवनी, सोशल मीडिया इफ्लूएंसर मीथिका द्विवेदी, सेवानिवृत्त आईएएस एवं लेखिका अनीता भटनागर जैन, शिक्षाविद् प्रोफेसर निधि वाला, सामाजिक कार्यकर्ता रंजना वाजपाई, फोर्ब्स इंडिया टॉप 100 पीपल मैनेजर डा. अंकिता सिंह, पैथोलाजिस्ट डा. समिता रस्तोगी, गौसेवक रचना मिश्रा, पत्रकार मंजू श्रीवास्तव, लेखिका डॉ. रिंकी रविकांत, गजल गायिका डा. प्रभा श्रीवास्तव, डा. द्विचा आर्या, डा. दया दीक्षित, डा. दिव्या रावत, अंजली ताज, डा. ज्योत्सना सिंह, डा. ज्ञानवती दीक्षित, मंजू श्रीवास्तव, नीमा पंत, रजनी गुप्ता, गुंजन वर्मा, लता कादम्बरी, रोली शंकर श्रीवास्तव, तृप्ति कौर पाहवा, पल्लवी आशीष, राज स्मिृति, सुश्री वैष्णवी अवस्थी, संध्या सिंह सहित 20 महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बताया है कि कल लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग ने बताया कि आम चुनाव के साथ ही कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान शनिवार दोपहर करीब 3 बजे किया जाएगा। चुनाव आयोग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चुनाव तारीखों के एलान की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। इससे पहले चुनाव आयोग की आज बैठक हुई, जिसमें चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की गई।

अमित शाह ने गांधीनगर सीट पर शुरू किया चुनाव प्रचार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार से गांधीनगर लोकसभा सीट पर चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। भाजपा ने गांधीनगर लोकसभा सीट पर अमित शाह को फिर से उम्मीदवार बनाया है। प्रचार अभियान की शुरुआत करने से पहले अमित शाह ने आज सुबह अहमदाबाद के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान उनके साथ गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। इसके बाद अमित शाह ने सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि वे हर मतदाता के पास जाएं और ये सुनिश्चित करें कि वे भाजपा को वोट देने के लिए बूथ जरूर आएं। अमित शाह ने 2019 में गांधीनगर लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। 2019 में अमित शाह ने कांग्रेस उम्मीदवार सीजे चावड़ा को 5 लाख से ज्यादा वोटों से हराया था।

बीजद ने चुनाव तैयारियों की समीक्षा की

ओडिशा में सत्ताधारी बीजू जनता दल ने चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। बीजद के उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने ओडिशा सीएम और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक के साथ आज बैठक की। बैठक में चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की गई। देबी प्रसाद मिश्रा ने कहा कि सीएम पटनायक ने बैठक के दौरान पार्टी पर्यवेक्षकों को कुछ सुझाव दिए हैं। आम चुनाव की तारीखों का एलान होते ही देश में चुनावी आचार संहिता लागू हो जाएगी। बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। राजनीतिक दलों ने जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव कराने की मांग की।

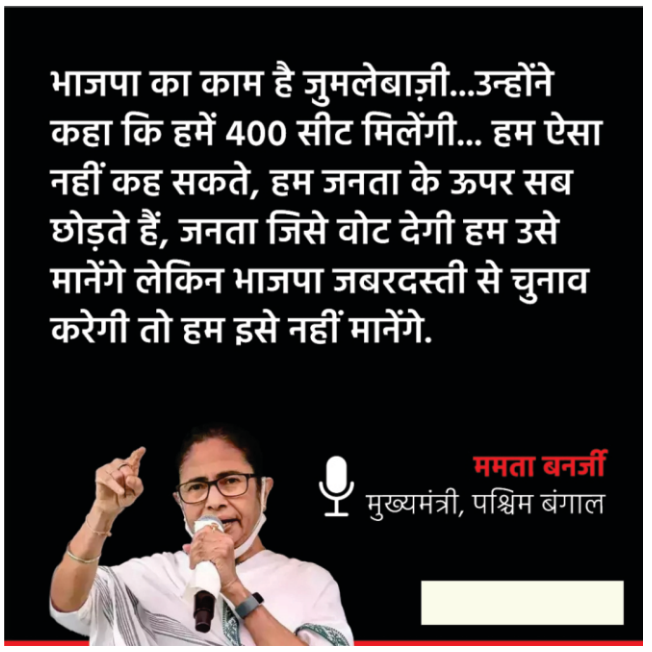

वाराणसी। राबर्ट्सगंज लोकसभा सीट पर 18 में से 12 बार शिव, राम और नारायण जीते हैं। चुनाव में नौ बार केवल राम वाले नाम की पताका फहराई गई है। छह चुनावों में दूसरे उम्मीदवार जीते, मगर उनमें से भी पांच के नाम में एक जैसा मेल रहा। राबर्ट्सगंज लोकसभा सीट से चुने गए सांसदों के साथ एक अनूठा संयोग रहा है। यहां अब तक 18 बार लोकसभा के चुनाव हो चुके हैं। जिसमें 12 बार राम, शिव और नारायण नाम वाले उम्मीदवारों को जीत मिली है। इसमें भी अकेले नौ बार सिर्फ राम नाम की जय रही।

छह चुनावों में दूसरे उम्मीदवार जीते, मगर उनमें से भी पांच के नाम में एक जैसा मेल रहा। पहले चुनाव से लेकर पिछले चुनाव तक यह संयोग बरकरार है। भौगोलिक रूप से यूपी के सबसे बड़े चुनावी क्षेत्र सोनभद्र में पहला चुनाव 1952 में हुआ था। तब यहां एक सीट से दो उम्मीदवार चुने जाते थे।

एक सामान्य वर्ग तो दूसरा अनुसूचित जाति से। राबर्ट्सगंज सीट शुरू से ही सुरक्षित रही है। यहां पहले सांसद रूप नारायण चुने गए थे। वह लगातार दो बार जीते। वर्ष 1962 में हुए तीसरे चुनाव में राम स्वरूप को जीत मिली। इन्होंने कांग्रेस के टिकट पर जीत की हैट्रिक लगाई। आपातकाल के बाद साल 1977 में हुए आम चुनाव में यह सीट भारतीय लोकदल के खाते में चली गई। तब इस सीट पर शिव संपत राम निर्वाचित हुए। तीन साल बाद हुए अगले चुनाव में फिर से कांग्रेस ने जीत के साथ वापसी की और राम प्यारे पनिका सांसद बने।

वह 80 से 89 तक दो बार सांसद चुने गए। इस दौरान प्रदेश में राम मंदिर आंदोलन ने जोर पकड़ा तो सीट फिर कांग्रेस के हाथ से फिसल गई और भाजपा के सूबेदार प्रसाद सांसद चुने गए, मगर वह दो साल ही सांसद रह सके।

2004 के बाद सिर्फ लाल ही लाल

वर्ष 2004 से लाल नाम वालों का प्रभाव रहा है। 2004 में बसपा से लालचंद कोल जीते तो मध्यावधि चुनाव में भाईलाल कोल को जीत मिली। इसके बाद 2009 में पकौड़ी लाल और 2014 में छोटेलाल खरवार सांसद चुने गए। वर्तमान में अपना दल–एस से पकौड़ी लाल सांसद हैं।

राबर्ट्सगंज से चुने गए सांसद

वर्ष	सांसद	पार्टी
1952	रूप नारायण	कांग्रेस
1957	रूप नारायण	कांग्रेस
1962	राम स्वरूप	कांग्रेस
1967	राम स्वरूप	कांग्रेस
1972	राम स्वरूप	कांग्रेस
1977	शिव संपत राम	भालोद
1980	रामप्यारे पनिका	कांग्रेस
1984	रामप्यारे पनिका	कांग्रेस
1989	सूबेदार	भाजपा
1991	राम निहोर	जनता दल
1996	राम सकल	भाजपा
1998	राम सकल	भाजपा
1999	राम सकल	भाजपा।

जनपद बलरामपुर में माँ पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय का आज भूमिपूजन एवं शिलान्यास संपन्न हुआ।
इस अवसर पर जनपद बलरामपुर के लिए 1,488.89 करोड़ लागत की 466 विकास परियोजनाओं एवं जनपद श्रावस्ती के लिए 260.37 करोड़ लागत की 31 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास भी हुआ।

100 से अधिक कंपनियों से कनेक्शन

कौन हैं 1368 करोड़ के 'महादानी' सैंटियागो मार्टिन?

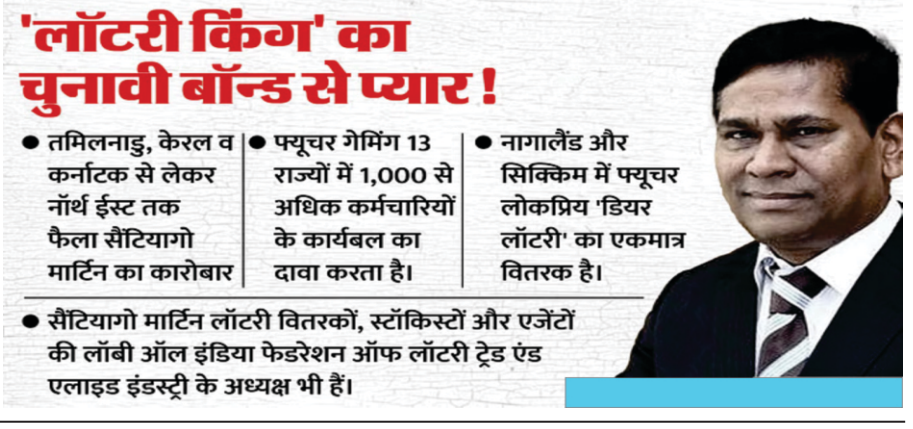

कपिल शर्मा ने एड शीरन के लिए आयोजित की पार्टी, सितारों ने लगाए चार चांद

59 वर्ष के हुए आमिर खान

मुंबई (वार्ता)। वॉलीवुड के जाने माने अभिनेता-फिल्मकार आमिर खान आज 59 वर्ष के हो गए। आमिर खान का जन्म 14 मार्च 1965 को मुंबई मे हुआ। उनके पिता ताहिर हुसैन और चाचा नासिर हुसैन जाने-माने फिल्म निर्माता थे। घर में फिल्मी माहौल के कारण आमिर खान की रूचि भी फिल्मों में हो गई और वह अभिनेता वनने का सपना देखने लगे। आमिर खान ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1973 में वतौर वाल कलाकार अपने चाचा नासिर हुसैन के वैनर तले वनी फिल्म 'यादो की वारात' से की। वाद में उन्होंने वर्ष 1974 में प्रदर्शित फिल्म 'मदहोश' में भी वतौर वाल

खेसारी का दिखा दमदार अंदाज

बोले, 'मुझे किसी से बैर नहीं जो वतन का नहीं उसकी..

मुंबई । भोजपुरी सिनेमा के गायक–अभिनेता खेसारी लाल यादव की नई फिल्म 'रंग दे बसंती' का दमदार ट्रेलर फिल्म के मेकर्स ने आज लांच किया है। देशभक्ति पर आधारित इस फिल्म में खेसारी लाल यादव एक फौजी की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर की वादियों से आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों पर कहर बनकर टूट पड़ता है। इस फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि अब देश का हिन्दू वह नहीं रहा, अब दुनिया की कोई ताकत उसके टुकड़े नहीं कर सकती है।

फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत कश्मीर की खूबसूरत वादियों से होती है जब एक आतंकवादी आर्मी की जीप को उड़ा देता है। फिल्म का नायक उस आतंकवादी को पकड़ लेता है और कहता है, 'मुझे किसी से बैर नहीं, लेकिन जो वतन का नहीं उसकी खैर नहीं। आतंकवादी कहता है, 'शेर जब पिंजरे में बंद होता है तो बच्चे उसे मूंगफली फेंककर मारते हैं।' हीरो कहता है, 'शेर नहीं, सुअर है हूं।' इस फिल्म के ट्रेलर में हिन्दुत्व की बात की गई है। फिल्म का नायक कहता है, 'हिन्दू वह नहीं, जो पहले हुआ करता करता था, अब दुनिया की कोई ताकत टुकड़ा टुकड़ा नहीं कर सकती है, जय श्रीराम।' फिल्म के ट्रेलर के ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि नायिका अपने पति को टीका लगाते हुए कहती है, 'मर्द क पहचान उकरा काम से होला, पत्नी से ना, फर्ज सर्वोपरि होला।' फिल्म का नायक अपनी पत्नी से कहता है, 'जानेलू काहे एक फौजी बॉर्डर पर दुश्मन क सामना कर पावेला, काहे कि फौजी के पत्नी क हौसला और साथ रहेला।' फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि नायक कश्मीर घाटी में एक–एक आतंकवादी को चुन चुन कर मार रहा है। एक आतंकवादी कहता है, 'कौन हैं तू बे गुस्ताख।' नायक कहता है, 'तेरी मौत की परछाई, तेरी सल्तनत की तबाही हैं हम, तेरी हर नसल को बर्बाद कर देंगे। हिंद के सिपाही हैं हम।'

लापता लेडीज' ने ली राहत की सांस

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। रिलीज के दिन से संघर्ष कर रही 'लापता लेडीज' ने आखिरकार राहत की सांस ली। फिल्म का बिजनेस पहली बार सिंगल से डबल डिजिट में पहुंचा है। हालांकि, ये मुकाम हासिल करने में 'लापता लेडीज' ने दो हफ्ते का वक्त लगा दिया। किरण राव के डायरेक्शन में बनी लापता लेडीज 1 मार्च को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। फिल्म ने ठीक– ठाक बिजनेस करने की पूरी कोशिश की, लेकिन ये सफर आसान साबित नहीं हुआ।

'लापता लेडीज' को मिली तारीफ

'लापता लेडीज' की कहानी की तारीफ दर्शक और क्रिटिक्स दोनों ने की। कई बॉलीवुड सेलेब्स को भी फिल्म पसंद आई। फिर भी बिजनेस करने के मामले में काफी पीछे रह गई। 'लापता लेडीज' की मुश्किल तब और बढ़ गई, जब मुकाबले में अजय देवगन की शैतान आ गई। इस फिल्म ने 'लापता लेडीज' को जबरदस्त टक्कर दी।

रेंगने पर मजबूर हुआ बिजनेस

बॉक्स ऑफिस पर 'लापता लेडीज' अब रिलीज के 2 हफ्ते पूरे कर चुकी है। फिल्म के बिजनेस की रफ्तार काफी धीमी रही। दूसरे हफ्ते की कमाई की बात करें, तो सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को फिल्म ने 30 और मंगलवार को 35 लाख कमाए। वहीं, बुधवार को भी बिजनेस 35 लाख रहा।

14 दिनों में कमाए इतने करोड़

'लापता लेडीज' के गुरुवार के कलेक्शन रिपोर्ट की ओर नजर डाले, तो शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने देशभर में 30 लाख कमाए। इसके साथ ही रिलीज के 14 दिनों में 'लापता लेडीज' ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 10.05 करोड़ का बिजनेस कर लिया है।

'लापता लेडीज' की स्टारकास्ट

किरण राव की 'लापता लेडीज' का निर्माण आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है। फिल्म को आमिर खान प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनाया गया है। स्टारकास्ट की बात करें, तो फिल्म में ज्यादातर एक्टर्स ने डेब्यू किया है। इनमें नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव का नाम शामिल है। 'लापता लेडीज' में रवि किशन ने भी अहम किरदार निभाया है।

किरण राव की फिल्म लापता लेडीज की कहानी भले दमदार है लेकिन बिजनेस के लिए बॉक्स ऑफिस पर तरसना पड़ रहा है। बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की हालिया रिलीज फिल्म शैतान ने मामला बिगाड़ दिया है। इस मुश्किल घड़ी में भी लापता लेडीज ने रिलीज के 2 हफ्ते में डबल डिजिट में बिजनेस कर लिया है।

आलिया भट्ट 31 साल की हुईं

आलिया भट्ट ने सेलिब्रेट किया बर्थडे आलिया की पार्टी में पहुंची अंबानी फैमिली

दोस्तों और परिवार के साथ अपने जन्मदिन को और खास बनाया। बीती रात को आलिया के लिए एक शानदार बर्थडे पार्टी होस्ट की गई जहां आकाश अंबानी और श्लोका मेहता समेत फैमिली और फ्रेंड्स शामिल हुए थे। अपनी बर्थडे पार्टी में आलिया कमाल की लग रही थी।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। आलिया भट्ट सिनेमा की सबसे टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। 12 साल के करियर में आलिया ने बड़े पर्दे पर अपनी लगभग हर भूमिका से ऑडियंस को इम्प्रेस किया है। आज वह बी–टाउन की टॉप एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं। 15 मार्च 2024 को आलिया भट्ट 31 साल की हो गई हैं। अभिनेत्री ने अपने परिवार और दोस्तों के साथ बीती रात को जन्मदिन का जश्न मनाया। सोशल मीडिया पर आलिया के बर्थडे सेलिब्रेशन की झलकियां सामने आ गई हैं।

आलिया के बर्थडे में पहुंची अंबानी फैमिली

गुरुवार की रात को आलिया भट्ट ने होटल ताज में अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस जश्न में आलिया की सबसे अच्छी दोस्त ईशा अंबानी अपने पति आनंद पिरामल के साथ पहुंचीं। ब्लैक और ब्लू कलर की ड्रेस में ईशा कमाल की लग रही थीं। वहीं, आकाश अंबानी भी अपनी पत्नी श्लोका मेहता के साथ आलिया की पार्टी में नजर आए।

रणबीर कपूर ने साली साहिबा पर लुटाया प्यार

आलिया भट्ट की पार्टी से एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें पार्टी के बाद आलिया और रणबीर सभी को बाय करते हुए नजर आए। रणबीर ने अपनी साली साहिबा को गले लगाकर और माथे पर किस करके उन्हें बाय कहा। दोनों आधी रात को पार्टी से घर जाते हुए दिखाई दिए। आलिया भट्ट अपनी बर्थडे पार्टी में ग्लैमरस लग रही थीं। वह गोल्डन स्ट्रैपलेस टॉप और डेनिम जींस में कहर ढा रही थीं। एक्ट्रेस ने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल में खोल रखा था और कम मेकअप से लुक को और भी स्टनिंग बनाया था। वहीं, रणबीर डेनिम जींस के साथ टी–शर्ट और ब्लैक ब्लेजर में डैशिंग लग रहे थे।

आलिया भट्ट की अपकलमग फिल्में

आलिया के वर्क फ्रंट की तो वह जल्द ही 'जिगरा'में दिखाई देंगी। इसके अलावा उनके पास संजय लीला भंसाली के साथ फिल्म 'लव एंड वॉर' होगी। इसमें वह रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

आईपीएल में नहीं खेलेंगे हैरी ब्रूक वजह जानकर आ जाएंगे आंसू

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लिश क्रिकेटर ने बताया कि पिछले महीने उनकी दादी का निधन हो गया था। वह उनके बेहद करीब थे। इस वजह से 25 वर्षीय खिलाड़ी भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज में भी टीम का हिस्सा नहीं बन पाए थे। ब्रूक ने अपनी दादी के साथ कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। आईपीएल 2024 से पहले दिल्ली कैपिटल्स के धाकड़ बल्लेबाज हैरी ब्रूक पर दुखों का पहाड़ टूटा है जिसकी वजह से उन्होंने आगामी टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले के पीछे का कारण बताया है।

आईपीएल के 17वें संस्करण की शुरूआत 22 मार्च से होगी। दिल्ली कैपिटल्स 23 मार्च को अपने अभियान का आगाज पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से करेगी। इससे पहले टीम को बड़ा झटका लगा है। युवा बल्लेबाज आगामी टूर्नामेंट में खेलते नजर नहीं आएंगे। पिछले महीने उनकी दादी का देहांत हो गया था, वह उनके बेहद करीब थे। इस वजह से उन्होंने आईपीएल के आगामी सीजन में नहीं खेलने का निर्णय लिया।

इंग्लिश क्रिकेटर ने किया बड़ा खुलासा

इंग्लिश क्रिकेटर ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) के जरिए आईपीएल 2024 में नहीं शामिल होने का कारण बताया। उन्होंने बताया कि पिछले महीने उनकी दादी का निधन हो गया था। वह उनके बेहद करीब थे। इस वजह से 25 वर्षीय खिलाड़ी भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज में भी टीम का हिस्सा नहीं बन पाए थे। ब्रूक ने अपनी दादी के साथ कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। एक लंबे–चौड़े पोस्ट में ब्रूक ने बताया कि वह अपनी दादी से कितना प्यार करते हैं। स्टार खिलाड़ी ने अपनी सफलता का श्रेय दादा और दादी को दिया।

पिछले सीजन में नहल चला बल्ला

25 वर्षीय खिलाड़ी को दिल्ली ने चार करोड़ की मोटी रकम खर्च करके इस साल नीलामी में टीम में शामिल किया था। हालांकि, टूर्नामेंट की शुरूआत से पहले इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज ने अपना नाम वापस ले लिया। पिछले सीजन में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 11 मैचों में एक शतक की मदद से 190 रन बनाए थे। उन्हें 13.25 करोड़ की मोटी रकम खर्च करके टीम का हिस्सा बनाया गया था, लेकिन वह अपनी कीमत के साथ न्याय नहीं कर पाए।

42वीं बार मुंबई की रणजी में जीत विदर्भ को 169 रन से हराया, तनुश बने काल

स्पोर्ट्स डेस्क। रणजी ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला 41 बार के चैंपियन मुंबई और दो बार के चैंपियन विदर्भ के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। 538 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की टीम अपनी दूसरी पारी में 368 रन पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ मुंबई ने 169 से मुकाबला जीत लिया। रणजी में मुंबई ने 42वां खिताब जीता।

रणजी ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला 41 बार के चैंपियन मुंबई और दो बार के चैंपियन विदर्भ के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया।

विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 224 रन बनाए। जवाब में विदर्भ की पहली पारी 105 रन पर सिमट गई। अपनी दूसरी पारी में मुंबई ने 418 रन बनाए और उनकी कुल बढ़त 537 रन की हुई और विदर्भ के सामने 538 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में विदर्भ की टीम अपनी दूसरी पारी में 368 रन पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ मुंबई ने 169 से मुकाबला जीत लिया। रणजी में मुंबई ने 42वां खिताब जीता।

अथर्व तायदे और ध्रुव शोरे ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने 64 रन की साझेदारी की। हालांकि, इसी स्कोर पर विदर्भ ने दोनों के विकेट गंवा दिए। अथर्व 32 रन और ध्रुव 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अमन

मोखड़े और करुण नायर के बीच तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी हुई जिसे मुशीर खान ने तोड़ा। अमन 78 गेंदों में 32 रन बनाने में कामयाब हुए। टीम को चौथा झटका यश राथोड के रूप में लगा जो सिर्फ सात रन बना सके।

अक्षय-हर्ष के बाद झिंझड़ाया विदर्भ का बल्लेबाजी क्रम

पांचवें दिन बल्लेबाजी की शुरूआत करुण नायर और अक्षय वाडकर ने की। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 173 गेंदों में 90 रन की साझेदारी हुई। नायर 74 रन की दमदार पारी खेलकर आउट हुए जबकि अक्षय 102 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें तनुश कोटियान ने अपना शिकार बनाया। अक्षर और हर्ष दुबे के बीच छठे विकेट के लिए 133 रन की साझेदारी हुई। हर्ष दूसरी पारी में 65 रन बनाने में कामयाब हुए। इसके बाद विदर्भ की पारी लड़खड़ा गई। मुंबई के खिलाफ आदित्य सरवटे ने तीन रन, यश ठाकुर ने छह रन, उमेश यादव ने छह रन बनाए। वहीं, आदित्य ठाकरे बिना कोई रन बनाए नाबाद रहे। मुंबई के लिए दूसरी पारी में तनुश कोटियान ने चार सर्वाधिक चार विकेट लिए। वहीं, मुशीर खान और तुषार देशपांडे को दो–दो सफलताए हासिल हुई। धवल कुलकर्णी और शम्स मुलानी को एक–एक विकेट मिला।

मुंबई की दूसरी पारी

पृथ्वी शॉ 11 रन, भूपेन लालवानी 18 रन, अजिंक्य रहाणे 73 रन, श्रेयस अय्यर 95 रन, हार्दिक तमोर पांच रन, मुशीर खान 136 रन, शार्दुल ठाकुर शून्य, तनुश कोटियान 13 रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद आखिर में शम्स मुलानी ने 50 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, शार्दुल ठाकुर खाता नहीं खोल सके। तनुष कोटियान ने 13 रन, तुषार देशपांडे ने दो रन बनाए।

विदर्भ की पहली पारी

शार्दुल ठाकुर ने ध्रुव शोरे को पवेलियन भेजा। वह खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, धवल कुलकर्णी ने अमन मोखादे और करुण नायर को पवेलियन भेजा। अमन आठ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, करुण खाता भी नहीं खोल सके। आज विदर्भ ने तीन विकेट पर 31 रन से आगे खेलना शुरू किया और अथर्व तायदे के रूप में पहला झटका लगा। उन्हें धवल कुलकर्णी ने पवेलियन भेजा। अथर्व 23 रन बना सके।

इसके बाद शम्स मुलानी का कहर देखने को मिला। उन्होंने आदित्य ठाकरे, अक्षय वाडकर और हर्ष दुबे को पवेलियन भेजा। आदित्य 19, अक्षय पांच और हर्ष एक रन बना सके। इसके बाद तनुश ने तीन विकेट लेकर विदर्भ की पारी को समेट दिया। उन्होंने यश राठौड़ (27), यश ठाकुर (16) और उमेश यादव (2) को पवेलियन भेजा। यश राठौड़ हाईएस्ट स्कोरर रहे। मुंबई के लिए अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे धवल कुलकर्णी ने तीन विकेट लिए। वहीं, शम्स मुलानी और तनुश कोटियान को भी तीन–तीन विकेट मिले। शार्दुल को एक विकेट मिला।

मुंबई की पहली पारी 224 रन पर समाप्त

मुंबई की शुरुआत अच्छी रही। पृथ्वी शॉ और भूपेन लालवानी ने पहले विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को यश ठाकुर ने तोड़ा।

उन्होंने भूपेन को अक्षय के हाथों कैच कराया। वह 37 रन बना सके। इसके बाद हर्ष दुबे ने पृथ्वी को क्लीन बोल्ड किया। वह 46 रन बना सके। इन दो विकेट के बाद तो विकेटों की झड़ी लग गई। मुशीर खान छह रन, कप्तान अजिंक्य रहाणे सात रन, श्रेयस अय्यर सात रन और हार्दिक तमोरे पांच रन बनाकर आउट हुए।

षम्स मुलानी 13 रन बनाकर आउट हुए।

टीम इंडिया में वापसी की कोशिश में जुटे रहाणे और श्रेयस पहली पारी में फ्लॉप रहे। यह दोनों तमिलनाडु के खिलाफ रणजी सेमीफाइनल में भी फ्लॉप रहे थे। वहीं, शार्दुल ठाकुर ने एकबार फिर बल्ले से कमाल दिखाया और 69 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के की मदद से 75 रन की पारी खेली। तनुश कोटियान आठ रन और तुषार देशपांडे 14 रन बनाकर आउट हुए। इस तरह मुंबई की पारी 224 रन पर सिमट गई। विदर्भ की ओर से हर्ष दुबे और यश ठाकुर ने तीन–तीन विकेट लिए। वहीं, उमेश यादव को दो विकेट मिले। आदित्य ठाकरे ने एक विकेट लिया।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

गुजरात के खिलाफ जीत के साथ फाइनल में पहुंची दिल्ली, मूनी की सेना को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली। नमस्कार! अमर उजाला के लाइव ब्लॉग में आपका स्वागत है। आज महिला प्रीमियर लीग 2024 का आखिरी लीग मैच दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जाएंट्स के बीच खेला जा रहा है। बेथ मूनी ने टॉस जीतकर दिल्ली के खिलाफ पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 126 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली ने सात विकेट से जीत दर्ज की।

महिला प्रीमियर लीग के आखिरी लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात जाएंट्स को हराकर फाइनल में एंट्री कर ली। अब मुंबई और आरसीबी के बीच 15 मार्च को इस टूर्नामेंट का एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में जीतने वाली टीम दिल्ली के खिलाफ 17 मार्च को दूसरे सीजन का फाइनल मैच खेलेगी। बुधवार को खेले गए मुकाबले में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 126 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली ने 13.1 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 129 रन बनाए और सात विकेट से मैच अपने नाम कर लिया।

गुजरात द्वारा दिए गए 127 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की दमदार शुरूआत हुई। सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरी मेग लैनिंग और शेफाली वर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी हुई। कप्तान को विकेटकीपर लाउरा ने रन आउट किया।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आई एलिस कैप्सी बिना खाता खोले आउट हो गई। उन्हें तनुजा कंवर ने चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर मन्नत कश्यप के हाथों कैच आउट कराया। तीसरे विकेट के लिए शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के बीच 55 गेंदों में 94 रन की विशाल साझेदारी हुई। दाएं हाथ की महिला बल्लेबाज ने 37 गेंदों में सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 71 रन बनाए। उन्हें 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर तनुजा ने लीचफील्ड के हाथों कैच आउट कराया। गुजरात के खिलाफ जेमिमा (38) और मारिजैन कप (0) नाबाद रही। इस मैच में तनुजा को दो विकेट मिले।

दिल्ली को लगे दो झटके

गुजरात के खिलाफ दिल्ली ने दमदार शुरूआत की। कप्तान मेग लैनिंग और शेफाली वर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी हुई। लैनिंग 10 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हुई। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आई एलिस कैप्सी शून्य पर आउट हो गई। उन्हें तनुजा कंवर ने अपना शिकार बनाया। फिलहाल क्रीज पर शेफाली वर्मा 21 रन और जेमिमा छह रन बनाकर नाबाद खेल रही हैं। छह ओवर के बाद टीम का स्कोर 45/2 है।

गुजरात जाएंट्स द्वारा दिए गए 126 रन के लक्ष्य का पीछा करने को दिल्ली कैपिटल्स तैयार है। सलामी बल्लेबाजी के लिए मेग लैनिंग और शेफाली वर्मा उतरी हैं। दोनों जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रही हैं। पहले ओवर में तीन रन बने।